

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र (MSME) के वित्तपोषण हेतु बैंकों की क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय मिशन (NAMCABS) कार्यशाला का बठिंडा, पंजाब में आयोजन

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI), चंडीगढ़ ने 02-03 दिसंबर, 2025 को पंजाब के बठिंडा में दो-दिवसीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को वित्तपोषण हेतु बैंकर्स की क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय मिशन (NAMCABS) कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय रिज़र्व बैंक, चंडीगढ़ के महाप्रबंधक श्री पंकज सेतिया ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ बैंकर जैसे श्री चमन लाल शैनमर, महाप्रबंधक, पंजाब एंड सिंध बैंक; श्री आर.के. मीना, डीजीएम, पीएनबी; श्री अभिषेक शर्मा, डीजीएम, एसबीआई; और श्री विशेष बाहुखंडी, वाइस प्रेसिडेंट, आईसीआईसीआई बैंक भी उपस्थित थे। कार्यशाला में पंजाब के बठिंडा, मुक्तसर साहिब, फाजिल्का, फिरोजपुर, मोगा और फरीदकोट जिलों के 18 विभिन्न बैंकों से एमएसएमई ऋण संभालने वाले लगभग 80 बैंक अधिकारियों ने भाग लिया।

अपने मुख्य भाषण में, श्री पंकज सेतिया ने कहा कि MSME पारिस्थितिकी तंत्र भारत के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन की नींव है। उन्होंने बैंकों से अधिक संवेदनशील और उद्यमी-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया, विशेषकर वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां स्थानीय विनिर्माण को सशक्त बनाना 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इस प्रकार की क्षमता-निर्माण पहलें अग्रिम पंक्ति के अधिकारियों को बदलती नियामकीय अपेक्षाओं, तकनीकी प्रगति और MSME ऋण देने में उभरती श्रेष्ठ प्रथाओं के अनुरूप बने रहने में सक्षम बनाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शाखा स्तर पर प्रभावी ऋण पहुँच विकास को तेज कर सकती है, रोजगार को मजबूत कर सकती है और अधिक समतामूलक आर्थिक परिदृश्य सुनिश्चित कर सकती है।

दो दिनों के तकनीकी सत्र RBI, SIDBI, MSME डेवलपमेंट एंड फ़ैसिलिटेशन ऑफिस, InvoiceMart और TransUnion CIBIL के विषय-विशेषज्ञों तथा वाणिज्यिक बैंकों के अनुभवी संकाय द्वारा संचालित किए गए। सत्रों में MSME क्रेडिट मूल्यांकन, जोखिम शमन, फिनटेक समाधान और नियामकीय अद्यतन जैसे व्यावहारिक पहलुओं को शामिल किया गया।

बैंकर्स ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया और RBI की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान उन्हें जमीनी स्तर पर व्यवहार्य MSME इकाइयों को अधिक प्रभावी ढंग से समर्थन देने में सक्षम बनाएगा।

NAMCABS कार्यशाला को बैंकर्स को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और उपकरणों से सुसज्जित करने के महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि वे उद्यमिता को प्रोत्साहित कर सकें, औपचारिक वित्त तक पहुंच का विस्तार कर सकें और MSME क्षेत्र की सतत विकास यात्रा को आगे बढ़ा सकें।
